युवा जीवन

फरवरी 2023

अपने एकलौते पुत्र 'यीशु मसीह' को देने के द्वारा

परमेश्वर ने हमें प्रेम किया!

प्रस्तावना।

प्रिय युवा दिलों को बधाई!

यह कड़ाके की सर्दी थी। सर्दियों के परिधान के बिना कोई भी बाहर नहीं जा सकता था। एक बेसहारा गरीब मां अपने 2 साल के बच्चे को सीने से लगा कर सड़क पर चल रही थी। चूंकि बहुत ठंड थी, उसने अपने बच्चे को सुरक्षित रखने के लिए एक पार्क में जाने की सोची।

लेकिन ठंड के मौसम में चलना असंभव हो गया था इसलिए वह अपने बच्चे को बचाने के लिए एक पुल के नीचे चली गई। वह 2 साल का बच्चा ठंड से कांपने लगा। इसलिए उसने एक-एक करके कपड़े उतारे और बच्चे को ढकने और उसे बचाने की कोशिश की। अंत में उसने बच्चे को ठंड से बचाने के लिए अपने सारे कपड़ों से ढक दिया। लेकिन कुछ ही घंटों में वह ठंड में जम कर मर गई।

कुछ घंटे बाद एक दंपति वहां आया और बच्चे के रोने की आवाज सुनकर बच्चे को बचाया। लेकिन मां जानलेवा ठंड में जमे हुए बर्फ के टुकड़े की तरह मृत थी। दंपति ने छोटे लड़के को लिया और उसका पालन-पोषण किया। एक दिन दंपति उसे एक कब्र में ले गए और आंसू बहाते हुए उससे कहा, "प्यारे बेटे यह तुम्हारी मां की कब्र है जिसने तुम्हें जिंदा रखने के लिए खुद को मार डाला।" अपनी माँ के बलिदान का एहसास करते हुए, वह फूट-फूट कर रोया।

मेरे प्यारे नौजवानों... उसी तरह हमारे परमेश्वर ने अपने इकलौते पुत्र यीशु मसीह को देकर हम से प्रेम किया। ज्यादातर समय हम इस सच्चे प्रेम को समझ नहीं पाते हैं। यीशु के प्रेम को भूलकर, हम संसार के प्रेम और अभिलाषाओं में पड़ जाते हैं, और भ्रम के जाल में फंस जाते हैं।

यह दर्दनाक है कि परमेश्वर के बच्चे यीशु के प्रेम की घोषणा करने की अत्यावश्यकता और महत्व को नहीं जानते हैं।

क्या आप यीशु की घोषणा न करने के परिणामों को जानते हैं?

√ भारत में 16 करोड़ लोग अभी भी शराब के गुलाम हैं क्योंकि वे यीशु को नहीं जानते।

√ 44% (18-24 वर्ष) अभी भी अश्लील वेबसाइटों में हैं क्योंकि उन्होंने यीशु के छुटकारे का अनुभव नहीं किया है।

√ 1,64,033 लोग यीशु के प्रेम का एहसास किए बिना आत्महत्या करके मर चुके हैं।

√ यीशु की शक्ति को न जानने के कारण 3 करोड़ लोग नशे के आदी हैं।

यह हमारे भारतीय राष्ट्र की दुर्दशा है। यदि केवल आप यीशु के प्रेम की घोषणा करते हैं, तभी हमारे लोग छुटकारा पायेंगे!

छुड़ाए जाएंगे! बचाए जाएंगे!

उसके प्यार को बांटना एक सम्मान की बात है, जिसने आपके जीवन के अंत तक के लिए अपनी जान दे दी !!

मसीह के मिशन में।

अविनाश।

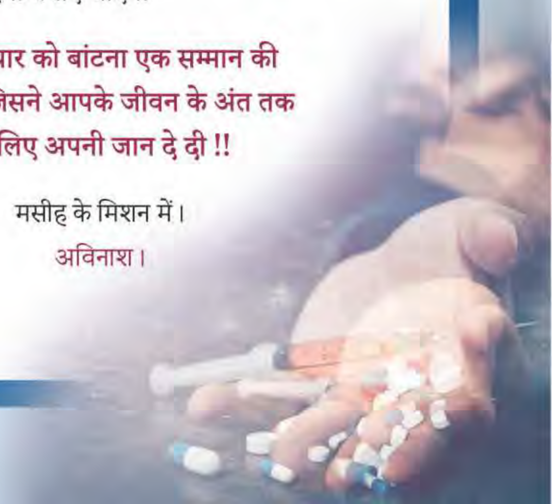

क्या आप तैयार हैं?

परीक्षा की तैयारी कर रहे छात्रों के लिए कुछ सुझाव...

- ***घबराहट से बचें:*** परीक्षा की तैयारी कर रहे छात्रों को घबराना नहीं चाहिए. चिंता की वजह से आपने जो कुछ भी पढ़ा है उसे भूल जाएंगे।

- ***समझें और पढ़ें:*** पाठ्य पुस्तक के अनुसार याद करने और लिखने के बजाय जब आप समझते हैं और पढ़ते हैं तो उत्तर लिखना आसान होता है।

- ***एक सूची तैयार करें:*** जब परीक्षाएं नजदीक होती हैं तो इस बात को लेकर बहुत उलझन होता है कि क्या पढ़ना है। इसलिए समय सूची बनाएं और उसी के अनुसार पढ़ाई करें।

- ***समय आवंटित करें:*** यह सोचकर कि आपको किसी भी कठिन विषय पर अधिक समय देने की आवश्यकता है, आप लंबे समय तक उसका अध्ययन करेंगे और आप यह भूल जाएंगे कि आपने अन्य विषयों में क्या पढ़ा है। इसलिए यदि आप प्रत्येक विषय के लिए अलग-अलग समय आवंटित करके अध्ययन करते हैं, तो आप निश्चित रूप से अच्छे अंक प्राप्त कर सकते हैं।

- ***महत्वपूर्ण प्रश्न पढ़ें :*** अंतिम समय में परीक्षा की तैयारी कर रहे छात्र असमंजस में रहते हैं कि क्या पढ़ें। यदि आप शिक्षकों द्वारा दिए गए महत्वपूर्ण प्रश्नों और उत्तरों को पढ़ते हैं, तो आप उत्तीर्ण अंक प्राप्त कर सकते हैं।

- ***सही खाना पीना:*** परीक्षा दे रहे बच्चों के लिए खाना बहुत जरूरी है। कई खाली पेट जाते हैं क्योंकि उनका ध्यान परीक्षा लिखने पर होता है। अगर आप बिना खाए परीक्षा देने जाते हैं तो आप परीक्षा ठीक से नहीं लिख पाएंगे। इसलिए परीक्षा के लिए जाते समय खाना जरूरी है। इसके अलावा जितना हो सके बाहर के खाने से बचना चाहिए और परीक्षा के दौरान घर का बना सेहतमंद खाना खाना चाहिए।

- ***जरूरी नींद:*** नींद उतनी ही जरूरी है, जितना भोजन। अगर आप अच्छी नींद लेंगे तभी आप अपनी पढ़ाई पर ध्यान दे पाएंगे। अन्यथा आप परीक्षा हॉल में सो सकते हैं। इसलिए परीक्षा लिखना बहुत कठिन होगा।

प्रिय बच्चों! सब से ऊपर, परमेश्वर को पहले रखो। प्रार्थना करो और पढ़ो। यहोवा तुम्हारे साथ रहेगा, तुम्हारा हाथ पकड़कर तुम्हारा मार्गदर्शन करेगा। वचन के अनुसार, ***"घोड़ा लड़ाई के दिन के लिए तैयार किया जाता है, लेकिन जीत परमेश्वर के साथ होती है।" (नीति. 21:31)*** *जब हम सही तैयारी करते हैं, प्रार्थना करते और प्रभु की इच्छा के प्रति समर्पण करते हैं, तो सफलता निश्चित है। जीत तुम्हारी है!*

अभिनया

एक माँ का विश्वास

इस महीने, हम एक बहन की गवाही सुनने जा रहे हैं, जो एक ऐसे परिवार में पैदा हुई थी जो यीशु को नहीं जानते थे, लेकिन एक पिता के विरोध के बावजूद दृढ़ता से मसीह को थामे रही, अपनी माँ के मार्गदर्शन के अनुसार, उसने प्रार्थना की और वर्तमान में कई युवाओं को मसीह की ओर मार्गदर्शन कर रही है।

हमें अपने और अपने बचपन के बारे में बताएं?

मेरा नाम अभिनया है, मैं तेनकासी जिले के वेलप्पा नदारूर नामक गाँव में रहती हूँ। मैं श्री सेल्वराज और श्रीमती सरस्वती की दूसरी बेटी के रूप में पैदा हुई थी। मेरी एक बहन है जिसका नाम नर्मदा है। चूंकि मेरी मां ने बहुत ही कम उम्र में यीशु को अपने व्यक्तिगत उद्धारकर्ता के रूप में स्वीकार किया था, इसलिए उन्होंने परमेश्वर के विश्वास में मेरी और मेरी बहन की अगुवाई की। हर दिन वह हमें घटनाओं और बाइबिल के पदों के बारे में सिखाती थीं। उसने हमें प्रतिदिन बाइबल पढ़ना भी सिखाया। इसके बावजूद मैं अपने पिता के साथ मंदिरों में भी जाता था।

अच्छा... अपने स्कूल के दिनों के बारे में बताओ?

मैं यह नहीं कहूंगी कि मैं वास्तव में कम उम्र से ही शैक्षणिक में महान थी। मैं एक औसत छात्रा थी, जो घर में सबके खिलाफ गुस्सा करती थी। मैं अपने माता-पिता की बात भी नहीं मानती थी। पर जब भी पढ़ने बैठती तो प्रार्थना के बाद ही पढ़ाई शुरू करती थी। जब भी मेरे पिता मुझे बाइबल पढ़ते या प्रार्थना करते हुए देखते, तो मुझे उनसे बुरी तरह डाँट पड़ती थी। लेकिन अंततः मेरी पढ़ाई में सुधार और मेरे व्यवहार में सुधार देखकर उन्होंने खुद मुझे बाइबल पढ़ने के लिए कहा।

सुपर... आप बाईबल पढ़ती थीं और मंदिर भी जाती थीं... अपने बचपन के अनुभव बताइये?

एक दिन हम एक परिवार के रूप में एक साथ यात्रा कर रहे थे, और अचानक परमेश्वर ने मुझसे हमारे परिवार के लिए प्रार्थना करने का आग्रह किया। उस समय मुझे समझ नहीं आया कि वह ऐसा क्यों कर रहा है। लेकिन मैंने आज्ञा मानी और तुरंत प्रार्थना की। जब हम नहा रहे थे तो मेरे साथ पांच लोग बह गए। चमत्कारिक ढंग से परमेश्वर ने मुझे इससे बचाया। तब मुझे एहसास हुआ कि इसीलिए उन्होंने मुझसे प्रार्थना करने के लिए कहा। एक बार जब मैं कार्टून देख रही थी तो मैंने एक दुष्ट आत्मा को अपने अंदर प्रवेश करते देखा। चूँकि मेरी एक प्रार्थना करने वाली माँ थी, उसने तुरंत प्रार्थना की और मुझे पीने के लिए पानी दिया उसके बाद मुझे एहसास हुआ कि वही आत्मा मुझे छोड़कर जा रही थी।

अभिनया के माता-पिता और बहन

लेकिन मैंने कार्टून देखना नहीं छोड़ा। मैं फिर से इसी तरह के लक्षणों से गुज़री और मेरी माँ ने एक बार फिर प्रार्थना की और मुझे पीने के लिए पानी दिया और कहा, "यदि तुम कार्टून देखती रहोगी, तो यह तुम में बस जाएगा। यदि तुम देखना बंद कर दोगी तो ही यह तुमको छोड़कर जाएगा। मैंने तुरंत कार्टून छोड़ दिया और इसे प्रार्थना में कबूल किया। इसके तुरंत बाद आत्मा ने मुझे छोड़ दिया।

परमेश्वर ने आपको बचपन में आने वाले खतरों से बचाया.... अच्छा, आपने खुद को कब परमेश्वर के हवाले कर दिया? आप कब बचाए गए थे?

चूंकि हम पारंपरिक, गैर-विश्वासियों के परिवार से आते हैं, पिताजी ने हमें चर्च नहीं जाने के लिए कहा था और हमारी मां को भी ऐसा करने की अनुमति नहीं दी थी। पर मेरी माँ मुझे और मेरी बहन को नियमित रूप से चर्च भेजती थी।

अगर उन्हें पता चल जाता था कि हम चर्च गए हैं तो वह माँ को मार मार कर नीला और काला देते। इसके बावजूद हमारी मां हमें नियमित रूप से भेजती रहीं। भले ही मैं चर्च जाती थी, मैं अपने पिता के साथ मंदिरों में भी जाती थी। लेकिन मेरी बहन माँ की बात मानती और माँ के पास ही रहती थी।

मैं मंदिर भी जाऊँ तो अपने आप को प्रार्थना करने से नहीं रोक पाती। एक बार जब मैं लगातार 2 दिनों तक प्रार्थना करने में असफल रही और जब प्रभु ने मुझे आश्वस्त किया, तो मैंने बहाना बनाया कि मैं कल प्रार्थना करूँगी। लेकिन मैंने अगले दिन भी प्रार्थना नहीं की।

उस शाम मैंने महसूस किया कि एक और आत्मा मुझ पर हावी हो रही है। मैं बहुत गुस्सा करने लगी और सबकी अवज्ञा करने लगी। मैंने स्पष्ट रूप से अपने भीतर कार्य करने वाली एक आत्मा को महसूस किया। माँ ने आंसुओं के साथ मेरे लिए प्रार्थना की। उस रात मैंने भी अपने आप को समर्पित कर दिया और आंसुओं के साथ प्रभु से प्रार्थना की। यहोवा ने मुझ से बात की और ठीक उसी रात मैं ने अपने आप को यहोवा को दे दिया।

उध्दार प्राप्त करने के बाद आपका जीवन कैसे बदला ?

एक बार जब मैं परमेश्वर द्वारा छुड़ाई गयी, तो मैंने अपने सहपाठियों को यीशु के सुसमाचार को साझा करना शुरू कर दिया। मैंने स्वर्ग और नर्क पुस्तक की प्रतिलिपि की और इसे कुछ खास लोगों को वितरित किया। मैंने कुछ समान विचारधारा वाले दोस्तों को इकट्ठा किया और अपने खाली समय में हमने बहुत सारी सुसमाचार की किताबें पढ़ना शुरू किया और मैं उनकी सभी शंकाओं को समझाती। मैंने उन्हें यीशु के दूसरे आगमन और 666 प्रतीक के महत्व के बारे में भी चेतावनी दी। 12वीं कक्षा में, परमेश्वर ने मुझे मेरे शहर में सबसे अधिक अंक (1096/1200) प्राप्त करने में सक्षम बनाया। परमेश्वर ने मुझे प्रार्थना करने के लिए हर सुबह उठने की शक्ति दी। अगर मैं नहीं उठ पाती, तो मुझे किसी को मेरा नाम पुकारते हुए सुनती और मैं तुरंत उठ जाती और प्रार्थना करने लग जाती।

यीशु आपसे बात कर रहा है यह अद्भुत है!!! अपने कॉलेज की शिक्षा के बारे में बताएं?

कॉलेज के पहले दिन, जब मुझे स्तुति का गीत गाने के लिए बुलाया गया, तो मैंने जाकर परमेश्वर की स्तुति में एक गीत गाया और बहुत जल्द मैंने कॉलेज में सुसमाचार सुनाना शुरू कर दिया। जब मैं प्रथम वर्ष में थी तो मेरी एक सहेली ने मुझसे रोते हुए कहा कि उसके परिवार में संपत्ति को लेकर विवाद है। मैंने उसे शांत किया और उसके लिए प्रार्थना की।

एक हफ्ते के बाद, मैंने परमेश्वर से प्रार्थना की कि वह उस दिन उस सहेली को मुझसे मिलवाए और बताए कि समस्या हल हो गई है।

मुझे आश्चर्य हुआ कि उसी दिन वह स्वयं आई और मुझसे कहा कि समस्या समाप्त हो गई है। मैं बहुत ही आश्चर्यचकित थी। स्कूल हो या कॉलेज, परमेश्वर ने मुझे सभी पापमय प्रलोभनों को 'ना' कहने और उन्हें पूरा दूर हटाने का अनुग्रह दिया।

अभिनया के माता-पिता और बहन

आपने उल्लेख किया कि परमेश्वर सेवा में आपका उपयोग कर रहे हैं। क्या आप हमें इसके बारे में बता सकती हैं?

सन् 2021 'रिवाइवल इग्नाइटर्स कैंप' में भाग लेने के बाद प्रभु ने मेरा और भी अधिक उपयोग करना शुरू कर दिया। एक आंटी जो हमारी पड़ोस में थीं, मेरे पास आईं और मुझे बताया कि उनके जोड़ में ट्यूमर है और डॉक्टरों ने ऑपरेशन की सलाह दी। मैंने तुरंत उन्हें यीशु के बारे में बताया, उनके लिए प्रार्थना की और उन्हें प्रार्थना का तेल दिया। एक हफ्ते के बाद, उन्होंने मुझे यह बताने के लिए बुलाया कि ट्यूमर गायब हो गया है। अब उन्होंने भी यीशु को अपने उद्धारकर्ता के रूप में स्वीकार कर लिया है और मेरे साथ प्रार्थना कर रहीं हैं।

जब कुछ लोग प्रार्थना करने के लिए हमारे घर आते हैं, तो मैं उनके लिए प्रार्थना करती हूं। इस वचन के अनुसार "यदि तु विश्वास करे तो तु परमेश्वर की महिमा देखेगी," तो उन्होंने मुझे उनकी महिमा देखने की आशीष दी है।

जब मैं अपना मास्टरस् (2022 में) कर रही थी, तो मुझे साल के पहले सप्ताह में वास्तव में तेज बुखार हो गया था और मैं प्रार्थना करने में सक्षम नहीं थी। जब मैं तीसरे दिन बेहतर हो गयी तो परमेश्वर ने मुझे उनसे प्रार्थना करने के लिए कहा। मैंने उन्हें यह कहते हुए जवाब दिया कि मेरा तापमान चल रहा है। उस शाम के दौरान मैंने महसूस किया कि कोई मुझे खींच रहा है और मैं एक आंतरिक लड़ाई से गुज़री। उसके बाद मैंने 10 मिनट तक प्रार्थना की, लेकिन मैं ठीक नहीं हुई। मुझे कमजोरी महसूस हुई और मैं लेट गयी। मुझे फिर लगा कि कोई मेरी आत्मा को मुझसे दूर ले जा रहा है। उसी क्षण अपनी कमजोरी पर ध्यान ना देते हुए, मैंने एक घंटे तक घुटने टेके, संघर्ष किया और प्रार्थना की, और मैं पवित्र आत्मा द्वारा छुड़ाई गयी।

कैंप में भाग लेने के बाद प्रभु के साथ आपका रिश्ता कैसा है?

परमेश्वर ने मुझे हर महीने दो बार गाँवों में जाने और वहाँ सुसमाचार की घोषणा करने के लिए सक्षम किया है। उन गांवों में जाने से पहले हम उनके लिए प्रार्थना करते हैं। एक बार जब हम उन जगहों पर कदम रखते हैं, तो लोग स्वतः ही हमसे अपनी समस्याओं के बारे में बात करने लगते हैं। परमेश्वर ने हमें प्रार्थना करने और उनका समर्थन करने में मदद की है। एक बार मैं एक युवा सभा में गयी।

उस सभा के दौरान, परमेश्वर ने मुझे दर्शन के माध्यम से एक बहन दिखाई, उसकी पहचान और उसके लिए एक वचन दिया। उस वचन का स्थान मेरे कानों में भयानक रूप से गूँजता रहा। प्रभु ने मुझे उस बहन से उस वचन के साथ बात करने के लिए कहा। मैंने उससे बात की जैसा यीशु ने कहा था। कभी-कभी परमेश्वर स्वप्न और दर्शन के माध्यम से कुछ प्रकट करते हैं। मैं उनके लिए प्रार्थना करती हूं और फिर सुसमाचार का प्रचार करती हूं। परमेश्वर ने मुझे सुरंदई में मासिक इग्नाइटर्स संगति की देखभाल करने की भी आशीष दी है। अब मेरे पिता ने मेरी गवाही देखकर यीशु पर विश्वास करना आरम्भ कर दिया है।

आप युवाओं के साथ क्या साझा करना चाहेंगी ?

परमेश्वर यहोवा ने कहा है, "जो मुझ पर विश्वास रखता है, ये काम जो मैं करता हूं वह भी करेगा, वरन इनसे भी बड़े काम करेगा।" जागृति के इस समय में, प्रभु हम जैसे युवाओं पर भरोसा करता है। उसके विश्वास के योग्य बनो, और आत्माओं को जीतो। इसके अलावा प्रार्थना करने या वचन को पढ़ने से परहेज न करें। परमेश्वर के साथ अपने संबंध में दृढ़ रहो। यहोवा तुम्हारे साथ रहेगा और तुम्हारा मार्गदर्शन करेगा।

प्रिय युवाओ! क्या आप भी आज ऐसी स्थिति में हैं जहाँ आप अपने घर की स्थिति के कारण चर्च नहीं जा सकते हैं और सुसमाचार का प्रचार नहीं कर सकते हैं? थको मत! जिस तरह अभिनया ने अपनी माँ के साथ प्रार्थना करके बाधाओं को पार किया, उसी तरह आपको भी प्रार्थना करनी चाहिए और सीमाओं को तोड़ना चाहिए! परमेश्वर आपको बाधाओं को दूर करने में मदद करेंगे, और यीशु के प्यार को अपने दोस्तों और परिवार को दिखाएंगे।

परामर्श में महान।

लाल सागर

इस दुनिया में कोई भी ऐसा नहीं है जिसके पास समस्या और संघर्ष न हो। कुछ लोग अटक जाते हैं और अपनी समस्याओं से बच नहीं पाते हैं और उनसे लकवाग्रस्त हो जाते हैं। कुछ अपने प्रयासों में संघर्ष करते हैं। लेकिन महान परमेश्वर के पास उन बच्चों के लिए जो यीशु मसीह के लहू से धोए गए और बचाए गए हैं उनके जीवन में आने वाली समस्याओं और संघर्षों से निपटने के लिए एक योजना है। लेकिन ज्यादातर समय परमेश्वर के बच्चे यह भूल जाते हैं कि उनके पास एक परमेश्वर है जो चमत्कार और अद्भुत करने की शक्ति रखता है और वे अपनी ताकत और ज्ञान से समस्याओं को ठीक करने की कोशिश करते हैं। इस 'महान परामर्श' श्रृंखला के माध्यम से, हम इस बात पर ध्यान देने जा रहे हैं कि कैसे परमेश्वर ने इस्राएल के लोगों (अपने लोगों) को मुसीबत में होने पर बचाया।

इस महीने, आइए हम एक ऐसी ऐतिहासिक घटना देखें जो एक अभूतपूर्व अलौकिक चमत्कार था जो पहले या बाद में कभी नहीं हुआ।

एक बड़ा झटका इस्राएल के लोगों के लिए इंतजार कर रहा था, जो मिस्र में गुलामी से मुक्त हो गए थे और जंगल से आ रहे थे। सामने लाल समुद्र, पीछे फिरौन की शक्तिशाली सेना और दोनों ओर पहाड़ होने के कारण ऐसी स्थिति में फँस गए, वे न तो भाग सकते थे और न ही छिप सकते थे और चकित रह गए थे। तब यहोवा का यह वचन उनके पास पहुंचा, कि यहोवा तुम्हारी ओर से लड़ेगा; तुम निष्क्रिय हो जाओगे।"

क्या आप, जो इसे पढ़ रहे हैं, ऐसी स्थिति में भी हैं जहां दरवाजे बंद हैं और बचने का कोई रास्ता नहीं है, और आपको डर है कि आप मर जाएंगे? यहोवा आपके लिए लड़ेगा!

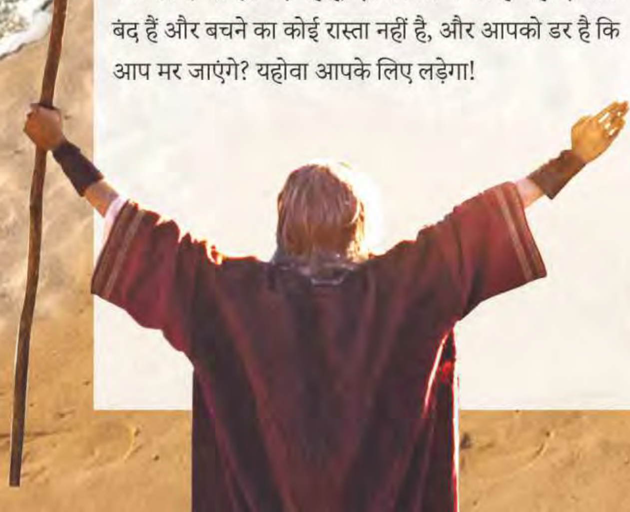

यदि हम चाहते हैं कि प्रभु हमारे लिए लड़े तो हमें क्या करना चाहिए? इस्राएल के लोगों ने क्या किया?

इस स्थिति में सभी इस्राएलियों को चमत्कार करने वाले स्वामी पर भरोसा करना था और अपने प्रयासों में निष्क्रिय रहना था। कितना आसान विचार है, है ना? परमेश्वर ने इस्राएल को उस समस्या के लिए एक सरल रणनीति के साथ छुड़ाया जो उन्हें एक पहाड़ के समान प्रतीत होती थी। क्या सभी समस्याओं का यही समाधान है? नहीं।

हर समस्या और संघर्ष के लिए परमेश्वर की अलग रणनीति होती है। तभी हम उस पर निर्भर रहेंगे। फिर यहोवा ने मूसा से कहा, जो लाठी तेरे हाथ में है उसे बढ़ा।

जब वह सीधे लाल समुद्र की ओर बढ़ाया गया, तो समुद्र दो भागों में विभाजित हो गया। 'लाठी' शक्ति का प्रतिनिधित्व करता है। रास्ता तब खुला जब मूसा ने अपने परमेश्वर प्रदत्त अधिकार का प्रयोग किया।

प्रिय नौजवानों! परमेश्वर ने हम में से प्रत्येक को अधिकार दिया है क्योंकि हम परमेश्वर के उध्दार को पाए हुए बच्चे हैं। हमारे पास यीशु के नाम में, उनके वचन में, और उनके लहू के द्वारा अधिकार है। इसके प्रयोग मात्र से हमारे जीवन की बाधाएँ बदल जाएँगी! चीजें ठीक होगी!

मैं वर्तमान में बेंगलुरु के एक कॉलेज में वैमानिक इंजीनियरिंग में अपना तीसरा वर्ष कर रही हूं। चूंकि चेन्नई मेरा गृहनगर है, इसलिए मैं सप्ताहांत में अपने माता-पिता से मिलने जाती हूं। मेरी अक्सर ट्रेन यात्रा के कारण एक साथी यात्री से दोस्ती हो गई और बाद में हमें प्यार हो गया। मेरे पास अपना पाठ्यक्रम पूरा करने के लिए अभी एक वर्ष और है। जैसे ही मेरे माता-पिता ने मेरी शादी के बारे में चर्चा शुरू की, मैंने इस व्यक्ति में अपनी रुचि के बारे में खुलकर बात की। जिस व्यक्ति से मैं प्यार करती हूं, उसके पास न तो पर्याप्त शिक्षा है और न ही अच्छी नौकरी, उन्होंने मेरे निवेदन को अस्वीकार कर दिया। मुझे नहीं पता कि क्या करना है। चूंकि मैं इस रिश्ते में एक साल से अधिक समय से हूं, इसलिए मैं इस व्यक्ति को नहीं भूल सकी। इससे घर में बड़ी उलझन और परेशानी है। मेरे माता-पिता मुझे सलाह देते हैं कि मैं उसे भूल जाऊं और छोड़ दूं। वहीं दूसरी तरफ जिस व्यक्ति से मैं प्यार करती हूं वह मुझे धमकी दे रहा है कि रजिस्टर्ड मैरिज कर लो नहीं तो वह सुसाइड कर लेगा। इसलिए, मैं उसे जाने नहीं देना चाहती। मेरी इच्छा है कि मैं जिससे प्यार करती हूं उससे शादी करूं। मैं उसे अपनी पढ़ाई और अपने माता-पिता से ज्यादा प्यार करने लगी। लेकिन मैं उलझन में हूं कि मैं सही हूं या गलत।

- रेजिना, चेन्नई

प्रिय बहन रेजिना!

मैं आपके पत्र के माध्यम से आपकी समस्या को समझ सकता हूँ। मुझे यह तय करने में आपकी मदद करने दें कि आप जो कर रहे हैं वह सही है या गलत।

आपके द्वारा लिया गया सही निर्णय आपको अपने जीवन में उत्कृष्टता प्राप्त करने में मदद करेगा। आपके द्वारा लिया गया एक गलत निर्णय आपके जीवन पर बड़ा प्रभाव डाल सकता है और आपको एक अमिट घाव की याद दिला सकता है।

रेजिना! जैसा आपने कहा, आप बहुत उलझन में हैं। जब आप उलझन में हों तो निर्णय न लेना ही बेहतर है। ऐसे उलझन में लिए गए फैसले अक्सर गलत साबित होते हैं।

रेजिना! जब आप धैर्यपूर्वक कुछ बातों पर चिंतन करते हैं, तो आपकी उलझन दूर हो सकती है और तब आप सही निर्णय ले सकती हैं।

इसलिए जब आप खुद से कुछ सवाल पूछते हैं तो इसमें कोई शक नहीं कि आपको जवाब मिल जाएगा।

आपके लिए कुछ प्रश्न:

- आपको वैमानिकी अध्ययन के लिए किस बात ने प्रेरित किया?
- आप किस नौकरी के पद के लिए बनने को दृढ़ हैं?
- क्या आपके माता-पिता वास्तव में आपसे प्यार करते हैं?
- आपके वर्तमान संबंध आपको किन परिणामों की ओर ले जाएंगे?
- कौन सा निर्णय सुखी विवाह में समाप्त होगा?

▶ अपने प्रियतम से विवाह करने के क्या परिणाम होंगे?

▶ जिससे आप प्यार करते हैं उससे शादी के पंजीकरण का आनंद कुछ दिनों तक रह सकता है।

▶ आपका विवाह तड़क-भड़क के बजाय आलोचनात्मक होगा।

▶ आपके माता-पिता आंसुओं, जुदाई, दर्द और शर्म में डूब रहे होंगे।

▶ जैसा कि आपने पढ़ाई के दौरान ऐसा किया है, इससे समाज में बदनामी और शर्म आएगी।

▶ आपकी वजह से आपका परिवार बिखर सकता है।

▶ कॉलेज में हर किसी के मन में आपके बारे में गलत धारणा होगी और आप गलत रोल मॉडल बन सकतीं हैं।

▶ आपको अपने पारिवारिक जीवन में कई कठिनाइयों और समस्याओं का सामना करना पड़ेगा जैसे कि आपकी दैनिक जरूरतों को पूरा करना क्योंकि आपके प्रेमी के पास उचित नौकरी नहीं है।

▶ कॉलेज छोड़ने के बाद आपके लिए एक प्रतिष्ठित नौकरी या उच्च्य पद पाने का कोई मौका नहीं होगा।

▶ इसलिए, आप एक सामान्य नौकरी पर जा रहे होंगे और एक औसत दर्जे का जीवन व्यतीत करेंगे।

▶ अपने माता-पिता को नीचा दिखाने का दर्द आपके दिल में एक अमिट घाव होगा।

▶ कई और दर्द और चुनौतीपूर्ण चीजों का सामना करना पड़ सकता है।

▶ और चूंकि आप एक मसीही परिवार में हैं, इस बात की अधिक संभावना है कि यीशु के नाम का अपमान किया जाएगा और चर्च में आपकी प्रतिष्ठा धूमिल होगी।

अगर आप उस व्यक्ति को ना कहें और अपने माता-पिता की बात मानें हो सकता है...

▶ अपनों से बिछड़ने का दर्द और आंसू कुछ महीनों तक रह सकते हैं।

▶ आपके द्वारा उसके साथ बोले गए शब्द और परिस्थितियाँ आपके दिमाग में आ सकती हैं और आपको पीड़ा दे सकती हैं और घाव को ठीक होने में कुछ दिन लग सकते हैं।

▶ लेकिन आप अपनी पढ़ाई अच्छी तरह से पूरी कर सकतीं हैं और एक अच्छी कंपनी में जगह पा सकतीं हैं और एक महान उपलब्धि हासिल कर सकतीं हैं।

▶ आप अपने कॉलेज और परिवार का नाम रोशन कर सकतीं हैं।

▶ आप अपनी उपलब्धियों के माध्यम से चर्च और समाज के लिए एक अच्छा गवाह बन सकतीं हैं।

▶ अपने माता-पिता के आशीर्वाद से आप एक अच्छे परिवार में शादी कर सकतीं हैं और एक खुशहाल जीवन जी सकतीं हैं।

▶ आपका भविष्य उज्जवल हो जाएगा।

▶ आप अपनी शादी के बाद भी सबके सामने साक्षी बनकर परमेश्वर की कई सेवकाई कर सकती हैं।

आपके जीवन में ऐसी कई अच्छी घटनाएं होने की संभावना है।

"हे बालकों, प्रभु में अपने माता-पिता की आज्ञा का पालन करो, क्योंकि यही उचित है" (इफिसियों 6:1)रेजिना! चूंकि आप एक प्रार्थना करने वाली लड़की हैं इसलिए इस स्थिति पर प्रार्थनापूर्वक विचार करें और निर्णय लें। यीशु आपको इस जाल से बाहर निकलने में मदद करेगा और उसे जीवन में ऊंची उड़ान भरने में मदद करेगा जैसा वह आपसे बहुत प्यार करता है। यीशु अपनी प्रतिज्ञा के अनुसार आपकी रक्षा करे, "तुम फिर कभी विपत्ति न देखोगे!".

नहूम

(नीनवे का विनाश)

प्रिय युवा आत्माओं!

हमें उम्मीद है कि आप हर महीने नई चीजें सीखने का आनंद ले रहे हैं। इस महीने भी आइए हम संक्षेप में सातवीं छोटी भविष्यवाणी की पुस्तक "नहूम" के बारे में कुछ रोचक तथ्य जानें।

लेखकः नहूम

समय: 663B.C-612B.C

अध्याय: 3

आयतें: 43

शब्द: 1,285

मुख्य व्यक्ति: नहूम

विशेषताएं

◀◀ नहूम की पुस्तक पुराने नियम की भविष्यवाणी की पुस्तकों में से एक है जिसमें एक विदेशी राष्ट्र के लिए भविष्यवाणी शामिल है। अन्य दो पुस्तकें ओबद्याह और योना हैं।

◀◀ इस पुस्तक में यहूदा के पाप और मूर्ति पूजा के बारे में कोई भविष्यवाणी नहीं है। क्योंकि यह राजा योशिय्याह के सुधार काल के दौरान लिखा गया था (2राजा 22:8, 23:5)। इसमें यहूदा के लिए सांत्वना और आशा के कुछ शब्द हैं (1:12,13 और 15)।

नहूम-सारांश

• नीनवे पर यहोवा का न्याय और भविष्यवाणी (1)

• नीनवे के विरुद्ध परमेश्वर का क्रोध (1:2-8 पद)

• प्रभु के विरुद्ध नीनवे की साज़िश का अंत करना (1:9-11 पद)

• नीनवे के न्याय के परिणाम के रूप में यहूदा को सांत्वना (1:12-15 पद) नीनवे पर परमेश्वर के न्याय की व्याख्या (2)

•आक्रमण- विवरण (2:1-6 पद)

• हार - घोषणा (2:7-13 पद) नीनवे पर परमेश्वर के न्याय का कारण (3)

• इसकी हिंसा और धोखे के कारण लज्जा आती है (3:1-7 पद)

• बिना अम्मोनियों के नगर के समान लज्जा (3:8-11 पद)

• शहर के निकम्मे गढ़ (3:12-19 पद)

नहूम में मसीह

हालाँकि इस पुस्तक में कोई शाब्दिक "मसीह-भविष्यवाणी" नहीं है, मसीह को जलन रखने परमेश्वर के रूप में चित्रित किया गया है जो सभी आत्मा की भविष्यवाणी के अनुसार दुश्मन से बदला लेता है, (1:12,13)।

एक विजेता की जीवन यात्रा...

युवा विजेताओं को बधाई! हममें से कई लोग अक्सर बहाने बनाते हैं जैसे "मेरे माता-पिता ने मुझे आशा नहीं दी, इसलिए मैं हासिल नहीं कर सका, मुझे हासिल करने के मौके नहीं मिले... मेरे पास वह नहीं है... मेरे पास यह नहीं है... "हमारे पूरे जीवन में असफलता के कारण के रूप में कहते हैं। आइए सोचते हैं कि हम कैसे हैं, जो इस लेख को पढ़ते हैं, क्या आप भी सभी की तरह बहाने बनाते हैं ? यहां आपके लिए एक विजेता की जीवन याला है।

ज़िओन क्लार्क का जन्म 29 सितंबर 1997 को कोलंबस, ओहियो, संयुक्त राज्य अमेरिका में हुआ था।

वह कॉडल रिग्रेशन सिंड्रोम नामक एक दुर्लभ स्थिति के साथ जन्म के समय पैरों के बिना पैदा हुए थे, उसे देखकर, उसके माता-पिता को लगा कि वे ज़िओन को नहीं पाल सकते और उसे एक अनाथालय में छोड़ दिया। कम उम्र से ही वे अनाथालयों में पले बढ़े। उन्होंने छोटी उम्र से ही कई संघर्षों का सामना करना शुरू कर दिया था। इसके बावजूद उनमें कुछ हासिल करने की चाहत अभी भी थी।

उन्हें कुश्ती में काफी दिलचस्पी थी। इस प्रकार, छोटी उम्र से, उन्होंने कई कठिनाइयों को सहते हुए कुश्ती का अभ्यास किया और कई प्रतियोगिताओं में भाग लिया । हालांकि उन्होंने कड़ी मेहनत की, लेकिन वे मैचों में सफल नहीं हो सके, लेकिन कई बार असफलता का सामना करना पड़ा। लगातार असफलताओं का सामना करने के बावजूद उन्होंने हार न मानते हुए सफलता हासिल करने का संकल्प लिया। इसलिए इस धैर्य और दृढ़ संकल्प के साथ उन्होंने अपने मन और शरीर को कुश्ती के लिए तैयार करना शुरू कर दिया। ओलंपिक के लिए खुद को तैयार करते हुए उन्होंने 2020 के पैरालंपिक कुश्ती और व्हीलचेयर स्पर्धाओं में भाग लिया। हालाँकि वे सफल नहीं हो सके, लेकिन उन्होंने दो

हाथ जिसने विकलांगता को मात दी!

ओलंपिक खेलों में दो पैरों के बिना पूरा करने वाले प्रथम व्यक्ति होने का श्रेय दिया गया। वह सिर्फ मान्यता से संतुष्ट नहीं थे, बल्कि एक रिकॉर्ड हासिल करने की प्यास थी ताकि दुनिया उन्हें पहचान सके। इसलिए उन्होंने अपने हाथों से दौड़कर एक कीर्तिमान स्थापित करने का फैसला किया और लगातार कड़ी मेहनत करने लगे और उसी के अनुसार उन्हें तैयार किया।

उन्होंने महज 4.78 सेकंड में अपने हाथों से 20 मीटर दौड़ लगाई। उन्होंने एक ऐसा कारनामा किया जिसने कई लोगों को हैरान कर दिया। उन्होंने 'हाईएस्ट बॉक्स जंप' और 'डायमंड पुशअप' के लिए गिनीज वर्ल्ड रिकॉर्ड बनाया है। कुश्ती में गहरी रुचि रखने वाले ज़िओन क्लार्क को संगीत में भी रुचि थी। इसलिए उन्होंने इसे सीखा और चर्च में वाद्य यंत्र बजाना शुरू किया। एक व्यक्ति जिसे कभी उसके माता-पिता ने अस्वीकार कर दिया था, अब एक ऐसे व्यक्ति में बदल गया है जिसे देख दुनिया चकित होती है।

सभी युवा विजेताओं के लिए जो इसे पढ़ रहे हैं, ज़िओन क्लार्क ने कभी भी अपनी स्थिति या विकलांगता का बहाना नहीं बनाया बल्कि उन्होंने लगातार कड़ी मेहनत के माध्यम से अपनी विकलांगता को दूर करना शुरू किया और सफलता हासिल की।

बहाने बनाना बंद करें और सफलता पाने के तरीके तलाशना शुरू करें। विजेता वे हैं जो सफलता प्राप्त करने के लिए एक अवरुद्ध मार्ग से एक नया रास्ता बनाने के लिए चलते हैं। सफलता प्राप्त करने के लिए अपना रास्ता खुद बनाएं और विजयी होकर आगे बढ़ें!

परमेश्वर का प्रेम।

जिस दुनिया में रहते हैं, वहाँ प्रेम, देखभाल और स्नेह मृगतृष्णा की तरह लुप्त हो रहे हैं। मानव का प्रेम हर मिनट बदलता है।

वही मुँह जो कहता है "मैं तुम्हारे बिना नहीं रह सकता" वह यह भी कहता है "मैं तुम्हारे साथ नहीं रह सकता"। इसी तरह मनुष्य का प्रेम आज के युग में बदलता रहता है। भले ही विज्ञान के विकास ने मनुष्य को आसमान तक पहुँचा दिया हो, लेकिन बच्चों के लिए माँ और पिता का प्रेम वैसा ही बना रहता है।

हालाँकि माता-पिता अपने बच्चों को उनके पसंदीदा सेल फोन, लैपटॉप, टैबलेट आदि खरीदकर अपना प्यार दिखाते हैं, कई किशोर अपने माता-पिता के प्यार को नहीं समझते हैं। युवाओं को लगता है कि उनके माता-पिता की सलाह और सलाह उन्हें गुलाम बना रही है।

यह सच है कि कोई भी माता-पिता अपने बच्चों को गुलाम नहीं समझते या उनके साथ व्यवहार नहीं करते।

जब माता-पिता और बच्चों के बीच प्यार में दरार आती है, अध्ययन के स्थान पर या काम पर जब कोई उनसे प्यार से बात करता है या बातचीत करता है, तो वे उस देखभाल और हमें प्यार को आराम देने की गलत व्याख्या करते हैं।

आज की पीढ़ी को पता ही नहीं है कि प्यार क्या होता है। हमारे तमिल समाज में कहा जाता है कि परमेश्वर द्वारा हमें दिया गया प्रेम का स्वरूप और कामुकता के स्वरूप का मिश्रण और विपरीत लिंग के साथ जो मोह होता है, वह 'प्रेम' है।

चूँकि दुनिया की नज़र में यह सही है, आज स्कूल में बहुत से छात्र प्यार में पड़कर अपना भविष्य और पढ़ाई खो देते हैं। क्या आप जानते हैं कि यह प्रेम की विफलता तमिलनाडु में 15% छात्रों के आत्महत्या करने का कारण है? हमें यह नहीं भूलना चाहिए कि अपने माता-पिता के सच्चे प्यार को भूलकर झूठे प्यार की तलाश में अपनी जान गंवाने वाले कई लोग हमारे आसपास रह रहे हैं। जो प्यार आपके माता-पिता आप पर बरसाते हैं, वह किसी भी परिस्थिति में कभी नहीं बदलेगा।

अपने माता-पिता के सच्चे प्यार को भूल कर जो लोग झूठे प्यार की तलाश में अपनी जान गंवा चुके हैं, हमारे आस-पास रह रहे हैं।

अपने माता-पिता के सच्चे प्यार को भूल कर जो लोग झूठे प्यार की तलाश में अपनी जान गंवा चुके हैं, हमारे आस-पास रह रहे हैं।

उस पिता के प्रेम की तुलना किसी से भी नहीं हो सकती है, जिसने उड़ाऊ पुत्र पर अपना प्रेम बरसाया, जो अपने मित्रों सहित अपनी सारी संपत्ति नष्ट करने के बाद होश में आने पर उसके पास वापस आया। माता-पिता के बिना जीवन बिना पतवार के नाव चलाने जैसा है।

आज के मसीही युवाओं के लिए प्रश्न और चुनौती है, कि अन्यजातियों के साथ प्रेम में पड़ना गलत है, लेकिन कुछ ऐसे भी हैं जो गिर जाते हैं, जैसा कि वे सोचते हैं कि किसी ऐसे व्यक्ति से प्रेम करना सही है जो चर्च या संगति में है और ऐसे भी हैं जिन्हें गिराने के लिए प्रलोभन दिया जाता है। शायद आपके मन में भी ऐसा सवाल हो।

हमारा शास्त्र कहता है ... "किसी दूसरे की वस्तु का लालच मत करो" (निर्गमन 20:17)। जब तक आप शादी नहीं कर लेते तब तक कोई आपका मालिक नहीं है। इसलिए, किसी ऐसे व्यक्ति से प्रेम करना जो आपका नहीं है, वासना है। इसलिए अपने जीवन में स्वार्थी इच्छाओं को जगह न दें। यदि आप परमेश्वर से प्रेम करते हैं, तो सब कुछ अच्छा होगा। विवाह से पहले जो प्रेम आता है, वह मसीह की दृष्टि में गलत है।

वह इस पृथ्वी पर आपके प्रेम के कारण नहीं आया। बल्कि, यह इसलिए है क्योंकि यीशु ने आपसे प्रेम किया कि उसने आपको खोजा और आपके लिए अपना प्रेम व्यक्त किया।

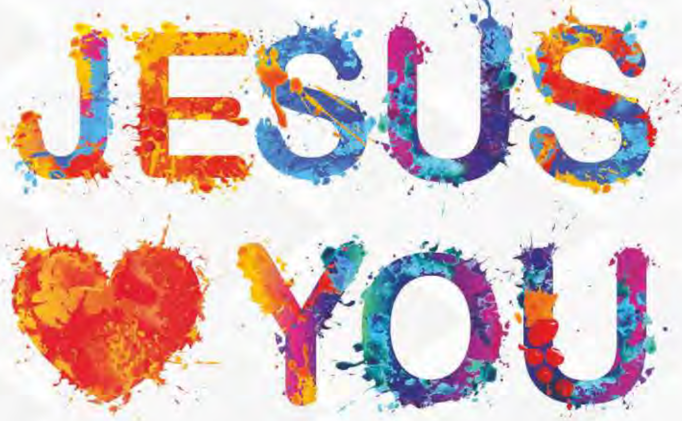

यहाँ तक कि जब आदम और हव्वा ने पाप किया और परमेश्वर के प्रेम को जिसने उन्हें बनाया था भूल गए, परमेश्वर ने उन्हें नग्न देखा, "... चमड़े के वस्त्र बनाकर उन्हें पहिनाए" (उत्पत्ति 3:21)। इसके द्वारा परमेश्वर का प्रेम प्रकट हुआ।

इस दुनिया में हमारे लिए मनुष्यों का प्रेम कम हो सकता है, लेकिन हमारे लिए परमेश्वर का प्रेम कभी कम नहीं होगा। क्योंकि उसने हमसे प्रेम किया, "इसमें परमेश्वर का प्रेम हमारे प्रति प्रकट हुआ, कि परमेश्वर ने अपने इकलौते पुत्र को दुनिया में भेजा है, कि हम उसके द्वारा जीवित रहें" (1 यूहन्ना 4:9)। इसके द्वारा हम अपने लिए परमेश्वर के प्रेम की गहराई को जान सकते हैं। इसलिए जब तक आप इस संसार में हैं, इस संसार से प्रेम न करें, बल्कि इस संसार में यीशु मसीह से प्रेम करें, जो तुम्हारे लिए आए, और तुम उसमें बने रहोगे।

मेरे प्रिय नौजवानों! इस दुनिया में लोग आप पर जो प्यार बरसाते हैं, वह मृगतृष्णा की तरह क्षणों में लोप हो सकता है। परन्तु परमेश्वर पिता और यीशु मसीह पुत्र का जो प्रेम आपके लिए है वह किसी भी परिस्थिति में नहीं बदलेगा। वह इस पृथ्वी पर आपके प्रेम के कारण नहीं आया। बल्कि, यह इसलिए है क्योंकि यीशु ने आपसे प्रेम किया कि उसने आपको खोजा और आपके लिए अपना प्रेम व्यक्त किया। अस्थिर और पाखंडी प्रेम की तलाश में भटकने वाले दुनिया के लोगों के विपरीत, जो आपको ढूंढते हुए आया है, उसके प्रेम को समझें, उसे स्वीकार करें।

क्योंकि, "... परमेश्वर प्रेम है, और जो प्रेम में बना रहता है, वह परमेश्वर में बना रहता है, और परमेश्वर उस में।" (1 यूहन्ना 4:16)।

प्रेमी की अभिलाषा...

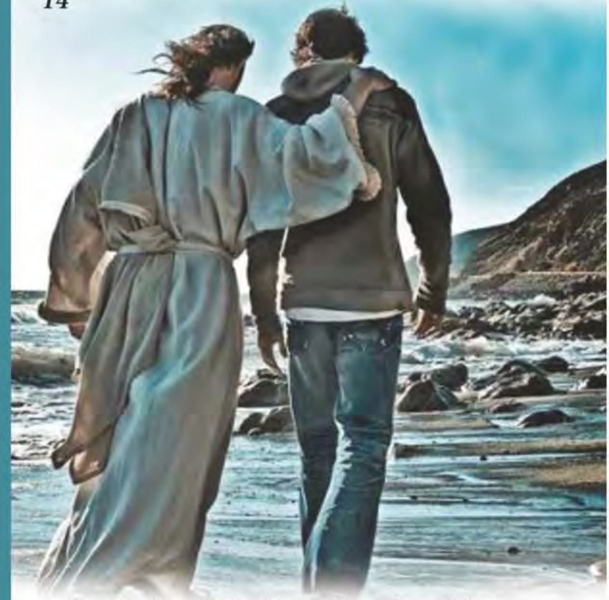

"मेरा प्रिय मेरा है, और मैं उसकी हूं..." (श्रेष्ठगीत 2:16)।

बाइबिल में, श्रेष्ठगीत की पुस्तक यह यीशु, जो दूल्हा है और हम जो दुल्हन के रूप में है के बीच के रिश्ते के बारे में लिखा गया है। वह दुल्हा है और चर्च उसकी दुल्हन हैं। यहाँ वर्णित दुल्हन केवल चर्च के लोगों से ही संबंधित नहीं है, यह दुल्हन के रूप में परमेश्वर में विश्वास करने वाले प्रत्येक व्यक्ति से भी संबंधित है। यह पुस्तक एक विश्वासी व्यक्ति और दूल्हे यीशु के बीच के रिश्ते और उनमें पाई जाने वाली एकता के बारे में गहराई से बोलती है।

आमोस 3:3 कहता है, "क्या दो जन एक संग चल सकते हैं, जब तक उन में सहमति न हो?" दो व्यक्ति एक साथ तभी चल सकते हैं जब वे एक मन के हों। केवल अगर यीशु जो दूल्हा, और हम जो दुल्हन हैं, एक मन होकर साथ चलते हैं, तो वह मिलन मजबूत होगा। केवल जब हम यह एहसास करेंगे और समझेंगे कि मेरा दूल्हा यीशु मुझसे क्या अपेक्षा करता है और उसकी पसंद को जानेंगे, तो वह हमारी इच्छाओं को भी पूरा करेगा।

उदाहरण के लिए, जो बच्चे पढ़ रहे हैं वे अक्सर कहते हैं, 'मैंने परमेश्वर से मुझे पढ़ने में मदद करने के लिए प्रार्थना की, और उन्होंने मेरी मदद की'। कई लोग कहते हैं, 'मैंने परमेश्वर से एक विशेष नौकरी पाने में मदद करने के लिए प्रार्थना की, और उन्होंने मेरी इच्छा पूरी की।" मैंने परमेश्वर से एक घर माँगा, और उसने मुझे एक घर दिया।' आपका दूल्हा यीशु, वह दूल्हा, आपकी सभी इच्छाओं को पूरा करता है। "परमेश्वर ने मेरी छोटी-छोटी इच्छाएँ भी पूरी कर दीं", कई लोग कहते हैं। हमारे पास एक दुल्हा यीशु मसीह है, जो हमारी हर इच्छा को जानता है और उन्हें प्रदान करना पसंद करता है।

परमेश्वर हमें हर तरह से खुश करते हैं कि वे कहते हैं, "जो दुल्हनें मेरे साथ स्वर्ग में रहने जा रही हैं, मुझे उनकी इच्छाओं को पूरा करना चाहिए और उन्हें इस धरती पर रहते हुए भी खुश करना चाहिए।"

हमारा दूल्हा यीशु हमें बहुतायत से प्रेम करता है। उसके अंदर एक बड़ी अभिलाषा है कि हमारी इच्छाओं को पूरा करने के द्वारा हमें प्रेम करे और हमें खुश करे । लेकिन एक दुल्हन के रूप में, क्या हम अपने दूल्हे यीशु को खुश करने का प्रयास करते हैं? अगर हम उनकी इच्छाओं को पूरा करते हैं, तो हमारे लिए उनका प्रेम और स्नेह भी बढ़ेगा। अत: हमें भी उसकी मनोकामना पूरी करनी चाहिए।

परमेश्वर ने हमें अपने शिष्यों के रूप में, अपने बच्चों के रूप में और फिर अपने मित्रों के रूप में बनाया है। मित्रता एक करीबी रिश्ते को दर्शाती है। लेकिन, दूल्हा और दुल्हन के बीच का रिश्ता एक ऐसा बंधन होता है जो किसी भी अन्य रिश्ते से बहुत अधिक होता है। क्योंकि मसीह दुल्हे के रूप में फिर से पृथ्वी पर आएगा। हम उनसे उनकी दुल्हन के रूप में मिलने जा रहे हैं, बाइबल कहती है। यही हमारे लिए सबसे ऊंचा और महान रिश्ता है। आध्यात्मिक जीवन का विकास पिता और बच्चों के संबंध से आगे बढ़ना है, गुरु और शिष्य के संबंध से परे, मित्र के संबंध से परे, और अब पति और पत्नी के संबंध में। हमें उसके साथ आतमीय दुल्हे ने अपनी इच्छा व्यक्त करते हुए कहा, "मैं चाहता हूं कि आप 24 घंटे मेरे साथ रहें"। क्या हम अपने दूल्हे के साथ 24x7 हैं? रविवार को, उस समय से जब हम चर्च जाते हैं और घर लौटते हैं, हम पवित्र रहते हैं और परमेश्वर के साथ आतमीय संबंध का आनंद लेते हैं।

जैसे ही हम चर्च से लौटते हैं और अपनी बाइबिल घर पर रखते हैं, हम परमेश्वर को भूल जाते हैं। प्रभु ने हमें कभी न छोड़ने और न ही त्यागने का वादा किया है। चाहे आप स्कूल, कॉलेज जा रहे हों, बस से यात्रा कर रहे हों, साइकिल चला रहे हों या बाइक चला रहे हों प्रभु

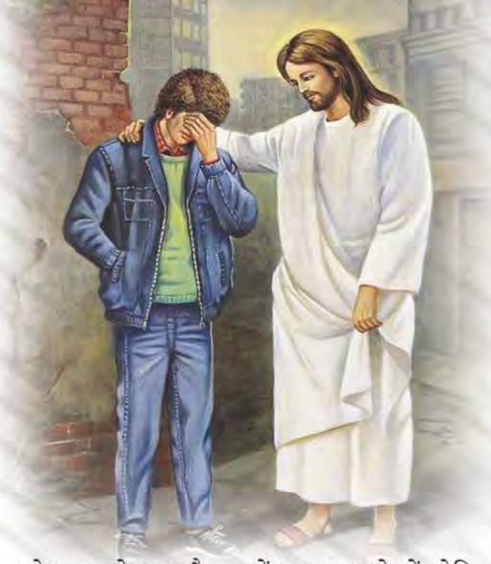

हमेशा आपके साथ है। दूसरों यह न जानते हों, लेकिन दुल्हन को अपने पक्ष में दूल्हे की उपस्थिति को पहचानना चाहिए। यह दूल्हे के साथ आतमीय अनुभव है। हमें अपने दूल्हे, परमेश्वर के साथ ऐसे आतमीय संबंध में बढ़ना है।

मैं एक ऐसे भाई को जानता हूं जो सरकारी सेवा में उच्च पद पर आसीन है। मैं उनके प्रार्थना जीवन और उनके सरकारी सेवा के अनुभवों के बारे में पूछता था। तो वह कहते थे, की मैं परमेश्वर की उपस्थिति में कई मिनट उनका इंतजार करता और प्रभु से बात करने के बाद ही सुबह अपनी प्रार्थना पूरी करता हूं।

प्रार्थना करके, नाश्ता करके और ऑफिस के लिए निकलते समय, यह कहकर निकलता 'प्रभु, आओ हम दोनों चलें'।

जैसे ही मैं कार्यालय में अपने कमरे में आता हूँ, मैं हमेशा अपनी कुर्सी के दाहिनी ओर एक और कुर्सी लगाने के लिए कहता हूँ। फिर मैं प्रार्थना करता हूं, 'प्रभु, मेरे कमरे में आने के लिए धन्यवाद,' 'अब, हम दोनों अपना काम शुरू करें, मेरे साथ बैठें प्रभु'। मेरे कार्यालय के कई कर्मचारी दस्तावेजों पर हस्ताक्षर करवाने के लिए मेरे कार्यालय आए। ये वो लोग यीशु को नहीं जानते, वे अक्सर कहते हैं, ''सर, जब हम आपके कमरे में प्रवेश करते हैं तो कुछ अलग ही है। जब हम दूसरे कमरों में जाते हैं तो हमें यह अंतर महसूस नहीं होता। लेकिन जब हम आपके कमरे में आते हैं तो हमें माहौल में अंतर महसूस होता है। हम अंतर स्पष्ट करने में असमर्थ हैं"। बड़ी श्रद्धा के साथ, मैं देता, "यीशु यहाँ मेरे साथ इस कमरे में हैं"। भाई ने इस अनुभव को मेरे साथ साझा किया।

जब मसीह हमारे साथ है, और जब हम कोई पाप करते हैं, तो वह हमें डाँटेगा और कहेगा, "मेरे बच्चे होने के नाते, तुम ऐसा कैसे कर सकते हो? वह अनुचित आय को मना करेगा। यीशु के साथ रहने की कोशिश करें और आपका स्वभाव बदल जाएगा और आपका जीवन बदल जाएगा। दुल्हन को दूल्हे यीशु के साथ होना चाहिए।

जब आप घर पर प्रार्थना करें और बाहर जाएं, यीशु को घर पर न छोड़ें! यदि आप उसके साथ अपने रिश्ते में बढ़ गए हैं और यह कहना सीख गए हैं, 'प्रभु, आप मेरे साथ आना चाहिए,' तो आप जानेंगे कि दूल्हा और दुल्हन के बीच का मिलन कितना आनंदमय होता है।

प्रिय युवा पाठकों, जब आप परमेश्वर के वचन को सुनते हैं और उसके अनुसार जीना सीखते हैं, तो परमेश्वर चमत्कार करेगा। प्रतिदिन बाईबल पढ़कर मसीह में बने रहना सीखें। हर दिन प्रभु की प्रतीक्षा करें और प्रार्थना में उनकी उपस्थिति की तलाश करें। जब हम, दुल्हन, हमारे दूल्हे मसीह के साथ आतमीय संबंध का आनंद लेना सीखते हैं, और हर दिन प्रार्थना करते हैं तो हम उनकी उपस्थिति को महसूस करने में सक्षम होंगे। तभी हम अपने प्रेमी की इच्छा पूरी करने वाले बन सकते हैं!

अनुभव में एक सिध्द जीवन जीना चाहिए।

परमेश्वर के साथ आतमीय संबंध में रहने के लिए क्या करें?

''हे पिता, मैं चाहता हूं, कि जिन्हें तू ने मुझे दिया है, जहां मैं हूं, वहां वे भी मेरे साथ हों, कि वे मेरी उस महिमा को देखें जो तू ने मुझे दी है" (यूहन्ना 17-24)। यीशु अपने शिष्यों और अपने चुने हुए लोगों के लिए पिता से प्रार्थना करता है। अपनी प्रार्थना में, मसीह इन शब्दों का उल्लेख करते हैं, "जहाँ मैं हूँ, मैं चाहता हूँ कि मेरे शिष्य भी वहाँ हों। आज प्रभु हमें देखते हैं और कहते हैं, 'तुम मेरी दुल्हन हो, मैं तुम्हारा दूल्हा हूँ, क्या तुम जानते हो कि मेरी इच्छा क्या है? दूल्हा पूछता है।

बाइबिल में कई जगहों का जिक्र है। उन जगहों पर ध्यान करते हुए हमें हर महीने उनके बारे में कुछ न कुछ रोचक जानकारियां मिलती रहेंगी। उसी के अनुरूप, इस महीने के लिए जगह है, 'कफ़रनहूम।'

परिचय:

कफरनहूम इस्राएल की भूमि में गलील के समुद्र के उत्तरी किनारे पर स्थित है। यीशु मसीह का जन्म बेतलेहम में हुआ और उनका पालन-पोषण नासरत में हुआ। नासरत नगर में लोगों ने उसकी सेवकाई को स्वीकार नहीं किया। कफरनहूम यीशु की सेवकाई का एक केंद्रीय क्षेत्र था। इस क्षेत्र में जनसंख्या अधिक थी। कफरनहूम की स्थापना यहूदियों ने की थी जो बेबीलोन की कैद से वापस आ गए थे। क्षेत्र को मछली पकड़ने के केंद्र के रूप में भी देखा जाता था। बाइबिल कहती है कि यीशु मसीह ने यहां कई चमत्कार किए थे। यहीं पर यीशु ने शमौन, याकूब, यूहन्ना और अन्द्रियास को, जो गलील के समुद्र में मछली पकड़ रहे थे, अपने पीछे आने के लिये आमन्त्रित किया। साथ ही, चुंगी लेनेवाले मत्ती ने यीशु को कफरनहूम में स्वीकार किया और उसके पीछे हो लिया। हालाँकि कई कारणों से कफरनहूम का एक महत्वपूर्ण स्थान के रूप में उल्लेख किया गया था, इसे शापित किया था क्योंकि इन लोगों ने यीशु के उपदेश को स्वीकार नहीं किया था।

मुख्य विशेषताएं:

. कफरनहूम का अर्थ है "नहूम का गाँव"।

. जब यीशु ने गलील में प्रचार किया, तो वह अक्सर इस शहर में घूमता रहा।

. यह गलील के समुद्र के उत्तर-पश्चिम की ओर एक बड़ा शहर है।

. चेन्नई ईसीआर (ईस्ट कोस्ट रोड - ईसीआर) की तरह अब हमारे पास है, उन दिनों कफरनहूम समुद्र तट के पास स्थित एक विशेष स्थान था।

. इस अवधि के दौरान, पुरातात्विक खुदाई का मानना है कि कफरनहूम वर्तमान दिन का तल्हुम है, जो गलील के समुद्र के दक्षिण-पश्चिमी छोर पर स्थित है।

कफरनहूम में यीशु द्वारा किया गया चमत्कार:

. कलीसिया में दुष्टात्मा से ग्रसित व्यक्ति को चंगा किया (मरकुस 1:23-26)।

. उसने शमौन की सास का ज्वर दूर किया (मरकुस 1:31)।

. उस ने लकवे के मारे हुए का पाप क्षमा किया, और उसे चलता फिरता कर दिया (मत्ती 9:2-7)।

. उस ने सूबेदार के दास को चंगा किया (मत्ती 8:5)।

. आराधनालय के हाकिम याईर की बेटी को जिलाया (मरकुस 5:41)।

. कर देने के लिये वह मछली के मुंह से चान्दी का सिक्का ले आया, (मत्ती 17:27)।

कफरनहूम को संबोधित भविष्यवाणी:

हालाँकि यीशु मसीह ने इस शहर में कई चमत्कारी चिन्ह दिखाए और सुसमाचार का प्रचार किया, लेकिन कई लोगों ने उसकी उपेक्षा की। अंत में, यीशु ने कहा, 'हाय तुम पर!' (मत्ती 11:23; लूका 10:15) इस जगह के बारे में। उसी तरह, भूकंप से कफरनहूम शहर पूरी तरह से नष्ट हो गया था और इसका स्थान अब ज्ञात नहीं है।

प्रिय नौजवानों! क्या आप यीशु को अपने हृदय में जगह देने से हिचकिचाते हैं, भले ही आप उसे अच्छी तरह से जानते हों? क्या आज आप अपना जीवन यीशु को सौंपेंगे ताकि हमारा देश और हमारे लोग कफरनहूम के लोगों की तरह नाश न हों?

प्रार्थना गाइड फरवरी 2023

✦ रूस-यूक्रेन युद्ध के चलते 20 लाख से ज्यादा लोगों ने पड़ोसी देशों में शरण ली है. संयुक्त राष्ट्र की रिपोर्ट है कि युद्ध में 7000 लोग मारे गए हैं। आइए हम राष्ट्र में लोगों की सुरक्षा और दोनों देशों के बीच युद्धों के अंत के लिए प्रार्थना करें।

✦ आइए हम प्रार्थना करें कि पवित्र आत्मा कलीसियाओं में उंडेला जाए और हमारी कलीसियाएँ दर्शन वाली और प्रार्थनामय कलीसियाएँ बन जाएँ।

✦ हम प्रार्थना करें कि वह पवित्रता जो परमेश्वर चाहता है, कलीसियाओं में, सेवकों, अगुवों, विश्वासियों और कलीसिया के प्राचीनों में पाई जाए और वे परमेश्वर के भय से प्रभु की सेवा करें।

✦ आइए हम प्रार्थना करें कि लोग बचाए जाएँ और प्रतिदिन कलीसियाओं में जोड़े जाएँ, और कलीसियाएँ बढ़ें और बढ़ें और हमारी कलीसियाओं में आश्चर्यकर्मों और चिन्हों के प्रकटीकरण के लिए प्रार्थना करें।

✦ आइए हम परमेश्वर से रक्षा की प्रार्थना करें ताकि हड्डियों और गले को प्रभावित करने वाली अजीब महामारी देश में प्रवेश न करे और लोगों को प्रभावित न करे।

✦ आइए हम इस बीमारी के कारण दुनिया भर में कई मौतों का कारण बनने वाली शैतान की चालाक योजनाओं के विनाश के लिए प्रार्थना करें।

✦ वैश्विक अर्थव्यवस्था को नियंत्रित करने के लिए कुछ निगम और नेता भरमाने वाली बातें कर अकाल पैदा करने की साजिश रच रहे हैं. आइए हम प्रार्थना करें कि उनके पीछे काम करने वाली आत्माएं बांधी जाएं।

✦ ऐसे दिन आने वाले हैं जब अमेरिका और यूरोप जैसे विकसित देश भी खाने के लिए दर-दर भटकेंगे। आइए हम प्रार्थना करें कि हमारे देशों में विश्वव्यापी अकाल न पड़े और परमेश्वर हमारी रक्षा करें।

✦ आइए हम प्रार्थना करें कि इंसानों द्वारा बनाई गई गलत दवाओं से दुनिया भर में लोगों को कमजोर करने और मारने के लिए बनाई गई योजनाओं को नष्ट कर दिया जाए।

✦ आइए हम प्रार्थना करें कि दुष्ट लोगों द्वारा बनाई गई दवाओं से आने वाली मौत की लहर बंद हो जाए।

✦ आइए हम अपने भारतीय राष्ट्र के प्रधान मंत्री, राष्ट्रपति, उपराष्ट्रपति, संसद अध्यक्ष, 29 केंद्रीय मंत्रियों और संसद के 543 सदस्यों की सुरक्षा और भलाई के लिए प्रार्थना करें।

✦ तमिलनाडु के मुख्यमंत्री श्री एम.के. स्टालिन, राज्यपाल श्री आर.एन.रवि, मुख्य सचिव श्री.वी.इरयानबू, 234 विधायक और 33 मंत्री और उनकी सुरक्षा के लिए भी।

✦ आइए हम प्रार्थना करें कि चीनी सेना को भारतीय सीमाओं में प्रवेश करने से रोका जाए और भारत-चीन सीमा पर शांति के लिए।

✦ आइए हम प्रार्थना करें कि भारत के खिलाफ ड्रोन हमले बंद हों और हमारे सैनिकों की सुरक्षा हो।

नियम एवं शर्तें
अपने वायदों को विरासत में लेने के लिए।

प्रिय युवाओ !!

प्रभु यीशु के नाम में आपको प्रेम भरा नमस्कार। इस महीने से शुरू होकर इस साल भर हम "वायदों और शर्तों" के विषय पर मनन करने जा रहे हैं। परमेश्वर ने वचनों में हमारे लिए सैकड़ों वायदे दिए हैं। हम उन्हें प्रार्थना या गीत में घोषित करके अपने जीवन में विरासत में लेने का प्रयास करते हैं।

लेकिन हमारे जीवन में कुछ ही वादे पूरे होते हैं। और भी बहुत कुछ, चाहे हम कितना भी संघर्ष और प्रार्थना करें, हम उसकी आशीषों को प्राप्त करने और उनका आनंद लेने में असमर्थ हैं। ऐसा इसलिए है क्योंकि हम उन वादों में खुद को आनंदित करते हैं और उन वादों में केवल प्रोत्साहन, आशीर्वाद और समृद्धि के शब्दों को लेते हैं, और उन वादों की पूर्ति के लिए परमेश्वर द्वारा दी गई शर्तों को ध्यान से देखना भूल जाते हैं।

प्रत्येक प्रतिज्ञा के आरंभ या अंत में, हम परमेश्वर की शर्तों को देख सकते हैं, कि प्रतिज्ञा को प्राप्त करने के लिए क्या किया जाना चाहिए। वायदों को पूरा करने के लिए परमेश्वर की आज्ञाओं का पालन आवश्यक है। आइए इसे बाइबल में से परमेश्वर के सेवकों के अनुभवों से सीखें।

उत्पत्ति 22:17, 18 में, क्या ही बड़ी प्रतिज्ञा की गई है।" मैं तुझे आशीष दूंगा, और तेरे वंश को आकाश के तारागण, और समुद्र के तीर की बालू के किनकों के समान अनगिनित करूंगा; और तेरा वंश उनके शत्रुओं के फाटक का अधिकारी होगा। तेरे वंश के द्वारा पृथ्वी की सारी जातियां आशीष पाएंगी, क्योंकि तू ने मेरी बात मानी है। (उत्पत्ति 22:17,18)।

यह आश्चर्य की बात नहीं होगी यदि परमेश्वर ने इब्राहीम से केवल यह कहा होता, 'तेरा बीज पृथ्वी पर धन्य होगा', लेकिन इससे भी अधिक परमेश्वर ने कहा, 'तेरे वंश के द्वारा पृथ्वी की सारी जातियाँ आशीषित होंगी।' क्या आप जानते हैं कि इसमें सबसे बड़ा आश्चर्य क्या है? यहाँ लिखा है कि आकाश और पृथ्वी को बनाने वाला महान परमेश्वर इब्राहीम से शपथ खाता है कि "यहोवा कहता है, मैं ने अपनी ही शपथ खाई है। आपको क्या लगता है कि यह विशेषाधिकार किसे मिल सकता है?

परमेश्वर यहोवा ने यह प्रतिज्ञा इब्राहीम से स्वप्न में या दर्शन में नहीं की थी। इस प्रतिज्ञा को प्राप्त करने के लिए, इब्राहीम को एक महान बलिदान और एक ऐसी कीमत चुकानी पड़ी जो कोई और नहीं कर सकता था।

वचन 18 कहता है, 'क्योंकि तुमने मेरी बात मानी है।' परमेश्वर ने इब्राहीम से क्या कहा? इब्राहीम ने कैसे आज्ञा मानी?

जब इब्राहीम बेर्शेबा में रह रहा था, तब सनातन परमेश्वर (एल-ओलाम) ने इब्राहीम को बुलाकर कहा, तुझे मेरे लिये होमबलि चढ़ानी होगी। यहोवा ने इब्राहीम से एक बैल, एक बकरी, एक बछड़ा, या एक कबूतर की बलि देने के लिए नहीं कहा! इब्राहीम और सारा, जिनकी शादी को 75 से अधिक वर्ष हो गए थे, उनका इकलौता पुत्र, इसहाक था (उत्पत्ति 21:5) और यह वह था जिसे परमेश्वर ने माँगा था।

क्या इब्राहीम को इतना सदमा नहीं लगा होगा कि उसके दिल की धड़कन रुक गई होगी! इब्राहीम जिसने अपनी उम्र के 100वें वर्ष में, अपनी युवावस्था में,

इसहाक को जन्म दिया, उसने अपनी सारी लालसा, सपने, प्रेम, और इच्छा को उंडेल दिया होगा की इसहाक को उस प्यारे बेटे के रूप में बड़ा करने में जो प्रभु ने उसे दिया था। माता-पिता के कितने भी बच्चे हों, वे हमेशा अपने बच्चों को अपनी कठिनाइयों के माध्यम से पालने का प्रयास करते हैं। वे अपने बच्चों को खोना या उन्हें किसी को देना नहीं चाहते। कुछ माता-पिता अपने बच्चे के बारे में बात करते हैं कि वह एक लंबे, रोगी, प्रतीक्षा अवधि के बाद पैदा हुआ है। अब यहोवा ने उन्हें उस बच्चे की बलि चढ़ाने के लिए कहा जो उसने उन्हें दिया था।

इस वचन में, हम देखते हैं कि परमेश्वर ने तीन बार 'तेरा' शब्द पर और प्रेम की गहराई को व्यक्त करने वाले शब्द, 'पुत्र, इकलौता पुत्र और तेरे प्रिय पुत्र' जोर दिया(उत्पत्ति 22:20)।

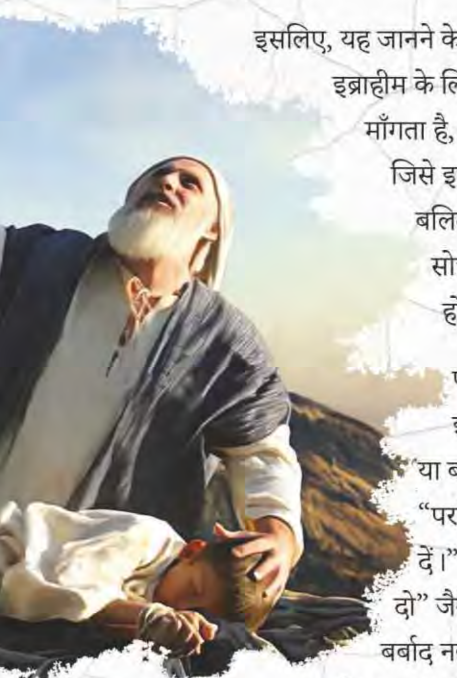

इसलिए, यह जानने के बाद भी कि उसका पुत्र इसहाक इब्राहीम के लिए कितना महत्वपूर्ण था, प्रभु उससे माँगता है, जो महत्वपूर्ण था, जो प्रिय था और जिसे इब्राहीम इतना चाहता था कि उसके लिए बलिदान किया जाए। क्या इसके बारे में सोचकर ही आपका दिल पीड़ित नहीं होता?

परन्तु इब्राहीम ने यहोवा के मांगने से इनकार न किया। उसने प्रभु से लड़ाई या बहस नहीं की। उसने यह नहीं कहा "परमेश्वर मुझे सोचने के लिए कुछ समय दें।" "मुझे अपनी पत्नी से परामर्श करने दो" जैसे बहाने बनाने में उसने अपना समय बर्बाद नहीं किया। इसके बजाय उसने तुरंत प्रभु के वचन का पालन किया और अपने बेटे इसहाक के साथ अपनी यात्रा शुरू की।

तीन दिन के बाद, जैसा कि यहोवा ने इब्राहीम से कहा था, वह उस स्थान पर आया, जिसे परमेश्वर ने ठहराया था, और एक वेदी बनाई, और अपने एकलौते पुत्र इसहाक को उठा कर वेदी पर रखा, और अपने प्रिय पुत्र की बलि देने के लिये छुरी उठाई। फिर जो हुआ वो एक अलग कहानी है। लेकिन इस घटना के बाद ही यहोवा ने इब्राहीम को ऊपर बताए गए महान वायदे की फिर से पुष्टि की और उसे इसहाक के माध्यम से एक महान पीढ़ी बना दिया।

प्रिय युवा भाइयों और बहनों! प्रभु ने आपसे कई वायदे किए होंगे, जो अभी तक पूरे नहीं हुए हैं। यदि वायदे अभी तक पूरे नहीं हुए हैं, तो प्रभु की आज्ञा का पालन करें और इस किशोरावस्था में, जो कुछ भी आपके लिए महत्वपूर्ण है, जिन चीजों से आप प्यार करते हैं और चाहत, आपकी इच्छाएं, अवांछित रिश्ते और वे घृणित कार्यों को जिनसे परमेश्वर घृणा करता है वेदी पर रख दें।

वह रास्ता मत चुनो जो तुम्हें ठीक लगे। अपने मार्गों को प्रभु को सौंपें और आज्ञा मानें। आज्ञाकारिता सम्मान देने की पहली सीढ़ी है। अपने जीवन में परमेश्वर के वायदों को पूरा करने के लिए, परमेश्वर के वचनों की पालन करने के लिए पहले स्वयं को समर्पित करें। यहोवा आपके जीवन में महान कार्य करेगा। वह आपको आशीष देगा और ऊंचा करेगा, और आपके परिवार में, और आपके कुटुम्बियों और मित्रों में से बहुतों के लिये आशीष बनाएगा जो आपको निकम्मा समझते हैं। प्रभु आपको आशीष दे, आमीन!

दौड़ने का मार्ग

(कोढ़ियों की जागृति की दौड़)

जब हम दौड़ दौड़ने के बारे में सोचते हैं, तो हमारे दिमाग में सबसे पहले जो बात आती है वह है 100 मीटर और 200 मीटर की दौड़।

जैसे ही लोग उत्साहित करते हैं, खिलाड़ी 100 मीटर की दौड़ पूरी करते हैं।क्योंकि लोग इस दौड़ को देखने के लिए उत्सुकता से इकट्ठा होते हैं जो केवल कुछ सेकंड तक चलती है। लेकिन मैराथन में ऐसा नहीं है, जिसमें घंटों दौड़ना पड़ता है।

शुरुआत में अच्छा दौड़ना काफी नहीं है लेकिन आपको अंत तक दौड़ते रहना है।मैराथन शुरू होने पर आमतौर पर सैकड़ों लोग दौड़ना शुरू कर देते हैं। लेकिन अंत में कुछ ही दौड़ पूरी करते हैं। दौड़ शुरू करने वाले कई लोग चौथाई या आधे मार्ग पर दौड़ना बंद कर देते हैं।

इसी तरह हम जैसे मसीहों के लिए हमारे परमेश्वर के द्वारा निर्धारित दौड़ एक मैराथन की तरह है। शुरुआत में ही अच्छी तरह दौड़ना ही काफी नहीं है,

आपको अंतिम रेखा तक पहुंचने के लिए अंत तक दौड़ते रहना होगा। पौलुस कहता है, "इस कारण जब कि गवाहों का ऐसा बड़ा बादल हम को घेरे हुए है, तो आओ, हर एक रोकनेवाली वस्तु, और उलझानेवाले पाप को दूर करके वह दौड़ जिस में हमें दौड़ना है, धीरज से दौड़ें" (इब्रानियों 12:1)। इस 'जागृति की दौड़' की श्रंखला के माध्यम से हम उन लोगों के बारे में देखने जा रहे हैं जो कई बाधाओं के बावजूद परमेश्वर के लिए दौड़े और उन लोगों के बारे में भी जिन्होंने मैराथन दौड़ में विजेता रहे।

लिथुआनिया के अलेक्जेंडर सोरोकिन नाम के एक व्यक्ति ने 32 वर्ष की आयु तक एक साधारण जीवन व्यतीत किया। चूंकि वह अपने जीवन में कुछ हासिल करना चाहता था, इसलिए उसने मैराथन के लिए अभ्यास करना शुरू कर दिया।

जब वह 32 वर्ष के थे, तो कई लोगों का मानना था कि वह उस उम्र में मैराथन में कुछ भी हासिल नहीं कर सकते। 2021 में, 8 साल के प्रशिक्षण

के बाद, 40 साल की उम्र में उन्होंने 24 घंटे में 379.4 किलोमीटर दौड़कर 25 साल पुराना रिकॉर्ड तोड़ा। इसके अलावा उन्होंने सात ऐसे विश्व रिकॉर्ड बनाए हैं। अलेक्जेंडर ने इतनी बड़ी विजय हासिल नहीं की होती अगर उसने सोचा होता कि वह इतना कठिन प्रशिक्षण लेने के लिए काफी पुराना है।

इसी तरह, हम बाइबल से एक जाति के बारे में मनन करने जा रहे हैं। वे क्यों दौड़े? उन्हें क्या लाभ मिला? आइए देखते हैं!

2 राजाओं अध्याय 7 में, अरामी सेना ने इस्राएल की भूमि को घेर लिया। इसलिए पूरे देश में एक बड़ा अकाल पड़ा और देश अपने आप में एक ठहराव पर आ गया था। उन 4 कोढ़ियों ने क्या किया जिन्हें उस देश में सभी ने त्याग दिया था?

वे साहस के साथ गए

इस्राएल में, कोढ़ी, लोगों के साथ नहीं रह सकते थे। उन्हें शहर के बाहर रखा गया था। ऐसी स्थिति के बावजूद, उन्होंने रामी सेना में जाने का साहस किया और यहां तक कि अपने रोगग्रस्त हाथों और पैरों से मर भी गए।

इस्राएल देश के किसी भी राजा और हाकिम ने अरामी सेना का विरोध करने की हिम्मत न की। क्योंकि कोढ़ी ने जाने का साहस किया जिन्हें निकम्मा ठहराया गया था, परमेश्वर ने उनके दौड़ने को रथों की सी आहट सुनाई, और अरामी सेना को तित्तर बित्तर कर दिया।

यदि वे नहीं जाते तो शायद देश का अकाल नहीं बदलता। परमेश्वर उन लोगों को ढूंढ़ता है जो प्रतिभा न होते हुए भी साहसी हैं, बजाय इसके कि जिनके पास प्रतिभा है और वे उसका उपयोग नहीं करते।

वे निस्वार्थ थे

जब उन्हें पता चला कि अरामी लोग छावनी में नहीं हैं, तो वे एक-एक डेरे में घुस गए और खाने-पीने की चीज़ें, सोना-चाँदी लूट लिया।

परन्तु थोड़ी देर के बाद वे आपस में कहने लगे, “हमारा यह करना उचित नहीं; हमें यह सुसमाचार स्वयं तक रखना नहीं चाहिए। हमें सब को सुनाना चाहिए” और वे अपने नगर को लौट गए। देश का अकाल इसलिए बदल गया क्योंकि वे यह सोचकर स्वार्थी नहीं थे कि उनकी भूख मिट गई और उन्हें अपनी जरूरत की चीजें मिल गईं। आज भी यह स्वार्थ ही है जो हमारी

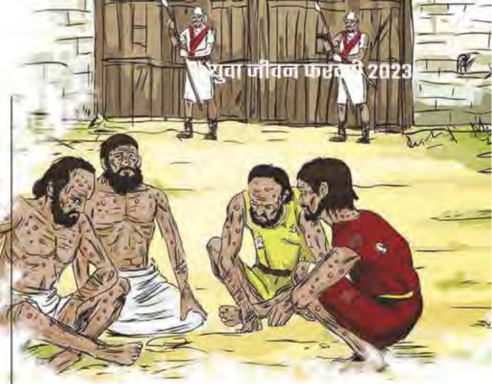

जाति को रोकता है। हम देश के अकाल को बदल सकते हैं, यदि हम निस्वार्थ भाव से परमेश्वर के लिए ईमानदारी से दौड़ें।

प्रिय नौजवानों, हमारे जीवन में भी कई बाधाएँ और कमजोरियाँ हैं जो हमें जीवन में आगे बढ़ने से रोक सकती हैं। यह विचार कि हमारे पास कोई प्रतिभा नहीं है या दूसरों के साथ हमारी तुलना करना हमें परमेश्वर के लिए चमकने से रोक सकता है।

यदि परमेश्वर उन उपेक्षित कोढ़ियों की दौड़ को, जिन्हें निकम्मा समझ कर फेंक दिया गया था, रथों का कोलाहल कर सकता है, तो परमेश्वर हमारे द्वारा सारी जाति का उद्धार कर सकता है।

“उठ, चमक, क्योंकि तेरा प्रकाश आ गया है”
(यशायाह 60:1)

अगले महीने एक और जागृति की दौड़ के धावक के बारे में देखेंगे...

Coffee with रिपोर्टर

बाइबल में ऐसे कई पात्र हैं जिनके नाम का उल्लेख नहीं किया गया है, जिन्होंने परमेश्वर की महिमा के लिए कई प्रमुख कार्य किए हैं। आइए हम उस काल्पनिक बातचीत पर एक नजर डालते हैं जो एक रिपोर्टर का ऐसे व्यक्ति के मिलने पर होती।

इस साल सबसे पहले, हम उस आभारी कोढ़ी से मिलेंगे और उससे बात करेंगे जिसने चमत्कार के लिए यीशु से प्रार्थना की, उसकी आज्ञा मानी, और खुद को याजक को दिखाने के लिए जाते समय, कोढ़ से ठीक हो गया और दस कोढ़ियों में से केवल वह यीशु को महिमा देने के लिए लौट आया और धन्यवाद दिया।(लूका 17:11-19)।

रिपोर्टर: नमस्ते भाई, कैसे हैं आप?

आभारी कोढ़ी: यीशु के साथ हुई मुलाकात के बाद मैं अपने शरीर और दिमाग में वास्तव में अच्छा कर रहा हूं।

रिपोर्टर : ऐसा? यीशु से मिलने से पहले आप कैसे थे?क्या आप कृपया मुझे अपने बारे में बता सकते हैं?

आभारी कोढ़ी: मैं सामरिया से हूं मेरा जीवन दुख और आंसुओं से भरा था क्योंकि मुझे कोढ़ था।

रिपोर्टर: आप घर पर थे या अस्पताल में?

आभारी कोढ़ी: इनमें से कोई नहीं। कोढ़ी लोग अछूत होते हैं और उन्हें एकांत जीवन जीना पड़ता है, इसलिए हम दूसरों के डेरे से बहुत दूर रहते थे। अन्य लोग जिन्हें कोढ़ था, वे भी मेरे साथ थे। हमें अपने परिवार के सदस्यों या पड़ोसियों के साथ रहने की अनुमति नहीं थी।

रपिोर्टर: सच में? जब वहाँ स्विगी या ज़ोमैटो नहीं था तो आपने खाने के लिए क्या करते थे?

आभारी कोढ़ी: उसके बारे में क्यों पूछ रहे हो? एक कोढ़ी का जीवन बड़ा संघर्ष भरा होता है! अगर किसी व्यक्ति के माता-पिता, बच्चे, दोस्त या कोई प्रियजन हैं, तो वे शहर के बाहर खाना छोड़ देते थे। उस व्यक्ति के जाने के बाद हम भोजन ग्रहण करते थे।

रिपोर्टर: क्या खाना पर्याप्त था?

आभारी कोढ़ी: नहीं, सभी कोढ़ियों को भोजन नहीं मिलता था। रोग के प्रारंभिक चरण में, एक व्यक्ति के पास उंगलियां होंगी और वह खाना खाने में सक्षम होगा, लेकिन कुछ लोगों के पास उंगलियां नहीं होती हैं और

उनके लिए भोजन खाना कठिन होता। उनका जीवन दुखद है। वे भोजन नहीं, परन्तु मरना चाहते हैं।

रिपोर्टर: यह दिल तोड़ने वाला है।

आभारी कोढ़ी: ज्यादातर कोढ़ी भोजन के लिए लालायित नहीं रहते। रोग के कारण होने वाला दर्द, द्रव से दुर्गंध और घाव से खून का रिसना मनुष्य को भोजन से अधिक मृत्यु के लिए लालायित कर देगा।

रिपोर्टर: किसी भी इंसान को ये बीमारी न हो!

आभारी कोढ़ी: इसके अलावा हम अपने भाई-बहनों की शादी, बच्चों के जन्मदिन और अन्य त्योहारों पर जाने और अपने रिश्तेदारों को देखने के लिए तरसते हैं। लेकिन अगर हम जाएंगे तो लोग 'अशुद्ध', 'अशुद्ध' चिल्लाने लगेंगे। कुछ लोग पत्थर फेंकते हैं, इसलिए हम अपने रहने की जगह से कहीं नहीं जाते।

रिपोर्टर: आपने इतना दर्द कैसे सहा? क्या हुआ उसके बाद?

आभारी कोढ़ी: रुको मैं तुम्हें बताता हूँ। इसी अवसर में हमने यीशु के बारे में सुना।

लोगों की बातचीत के माध्यम से हमें पता चला कि, "यीशु के शब्दों से चमत्कार होते हैं, उनके स्पर्श से उपचार होता है, अंधे को दृष्टि मिलती है, लंगड़े चलते हैं, बहरे सुनते हैं, मरे हुए जीवित होते हैं।" हमारे दिल यीशु से मिलने के लिए तरस रहे थे। हमें विश्वास था कि यीशु हमें चंगा करने में सक्षम था।

रिपोर्टर: ऐसा है? फिर क्या हुआ?

आभारी कोढ़ी: एक दिन हमने सुना कि यीशु हमारे गाँव से होकर जा रहे थे, इसलिए हम उनसे मिलने के लिए दौड़ पड़े। यीशु एक बड़ी भीड़ से घिरा हुए थे। हम दूर ही से पुकारते थे, हे यीशु, हे स्वामी, हम पर दया कर। यीशु ने तुरन्त हमें जाकर याजक को दिखाने को कहा। चलते-चलते मेरे मन में विचार आया कि ठीक हो जाने पर ही हमें याजक को दिखाना चाहिए, लेकिन वह हमें अभी दिखाने के लिए क्यों कह रहे हैं। अचानक मैं हैरान रह गया... मुझे विश्वास नहीं हो रहा था, मैं कोढ़ से पूरी तरह ठीक हो गया था। यीशु वास्तव में चमत्कार करते हैं! मेरी त्वचा एक छोटे बच्चे की तरह कोमल हो गई। मेरा दिल खुशी से अभिभूत था। मैं धन्यवाद से भर गया, इसलिए मैं लौट आया और यीशु के चरणों में गिरकर उनका धन्यवाद करने लगा और ऊँचे स्वर में परमेश्वर की महिमा करने लगा। यीशु ने अन्य नौ के बारे में पूछा जो शुद्ध हो गए थे, लेकिन खुश थे कि कम से कम मैंने आकर परमेश्वर की महिमा की।

रिपोर्टर: वाह!! तुम ठीक हो गए हो। भाई, यह जानकर बहुत खुशी हुई कि आप यीशु के द्वारा चंगे हो गए! आप हमारे नौजवानों से क्या कहना चाहेंगे?

आभारी कोढ़ी: यीशु आनन्दित होते हैं जब वह एक धन्यवादी हृदय के व्यक्ति को देखते हैं और मैं इसका गवाह हूँ। इसलिए उन सभी अच्छी चीजों के बारे में सोचें जो उसने आपके जीवन में की हैं और उसे प्रतिदिन धन्यवाद दें। मुख्य रूप से प्रतिदिन यीशु को अपनी शारीरिक भलाई के लिए धन्यवाद दें, चाहे आपके पास संपत्ति, प्रतिष्ठा, धन, काम हो या न हो। विशेष रूप से सही कामकाज कर रहे महत्वपूर्ण अंगों के लिए जैसे मस्तिष्क, यकृत, हृदय, गुर्दे और हड्डियों, तंत्रिका तंत्र, दांतों, पाचन तंत्र और रक्त परिसंचरण के लिए परमेश्वर को स्तुति का बलिदान दें, क्योंकि इससे परमेश्वर प्रसन्न होते हैं।

रिपोर्टर: हमारे साथ अपना कीमती समय बिताने के लिए बहुत-बहुत धन्यवाद भाई।

आभारी कोढ़ी: धन्यवाद!

उध्दार की जागृति।

प्रेरितों के समय से लेकर आज तक, परमेश्वर पवित्र आत्मा के द्वारा लोगों के जीवन में उद्धार के अपने कार्य कर रहा है। जब उद्धार की जागृति उण्डेली जाती है तो बहुत से लोग यीशु की ओर फिरते हैं। प्रेरितों के दिनों में जो बचाए गए थे उन्हें प्रतिदिन कलीसिया में जोड़ा गया। कलीसियाएं विकसित हुई। अन्यजातियों के झुंड ने अपने पापों को स्वीकार किया और यीशु की ओर मुड़े।

पुराने नियम के समय में जब नीनवे का पाप परमेश्वर की उपस्थिति में पहुँचा, तो उसने देश को नष्ट करने को सोचा। जब नीनवे के लोगों को इस बात का पता चला, तो उन्हें अपने पाप का एहसास हुआ और उन्होंने पश्चाताप किया।

इसलिए यहोवा ने उन्हें नष्ट नहीं किया। परिणामस्वरूप एक लाख बीस हज़ार लोग प्रभु की ओर मुड़े। यह उद्धार की महान जागृति थी जो पुराने नियम के समय में अन्यजातियों के बीच स्पष्ट रही है।

1940 में जर्मनी में पैदा हुए रेइनहार्ड बोनके नाम के परमेश्वर के जन ने अफ्रीका महाद्वीप को हिला दिया था। वह 10 साल की उम्र में एक मिशनरी के रूप में अफ्रीका चला गया, और उसने अपनी कॉलेज की पढ़ाई पूरी की और धर्मशास्त्र में डिग्री हासिल की और 7 साल तक जर्मनी में सेवा की। फिर उन्होंने अफ्रीका में अपनी सेवा शुरू कि। उनकी सभाओं के लिए एक लाख से अधिक लोग इकट्ठा होने लगे जो पहले शुरू हुए तो केवल कुछ सैकड़ों थे। उसके द्वारा बहुत से चिन्ह दिखाए गए और बहुतों का उद्धार हुआ। उसके माध्यम से लगभग 7 करोड़ 90 लाख लोगों को सुसमाचार सुनाया गया।परमेश्वर के इस जन के माध्यम से अंधेरे महाद्वीप को प्रबुद्ध किया गया लाखों लोग बचाए गए और उनकी सभाओं में यीशु की ओर मुड़े। उसके द्वारा अफ्रीका में एक महान जागृति हुई।

मेरे प्यारे नौजवानों, प्रभु हमारे देश में भी ऐसे काम करना चाहता है। जब आप अपने आप को यह कहते हुए समर्पित करते हैं कि "हे प्रभु मुझे भी उपयोग करें", तो प्रभु यीशु मसीह आपके द्वारा प्रगट होंगे, और जो अन्धकार में हैं वे उजियाले को देखेंगे।

यदि तुम यहोवा की यह वाणी सुनकर निकले, कि "मैं किस को भेंजू, और हमारी ओर से कौन जाएगा?"(यशायाह 6:8), यहोवा आपके द्वारा बहुत से लोगों का उद्धार करेगा। देरी मत करो! उद्धार के जागृति की आत्मा उंडेली गई है।

तो जाओ और राष्ट्र तक पहुँचो!